## प्रारूप–2

# कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, प्रारम्भिक शिक्षा, झुंझुनूं

दुरभाष एवंफैक्सनम्बर– 01592 – 235475/ 235474 E mail Id :- deoelejjn@gmail.com

क्रमाक –जिशिअ / प्रार / झु / मान्यता / 2012 / 858
दिनांक:– 30.10.11

प्रबन्धक

खेरी विद्या मन्दिर,
पिलानी

विषय –नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा–18 के प्रयोजन के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम 2010 के नियम 11 के उप नियम (4) के अधीन विधालय का मान्यता प्रमाण पत्र।

महोदय / महोदया

आपके दिनांक 15.10.11 ~~23 फरवरी 2012~~ के आवेदन और इस संबंध में, विधालय के साथ पश्चात्‌वर्ती पत्राचार / निरीक्षण के प्रतिनिर्देश से मैं 1/4/10 ...... (Eng. माध्यम) को दिनांक ~~सत्र 2012~~ से दिनांक– 31/3/13 ......तक तीन वर्ष की अवधि के लिए कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के लिए अन्तिम मान्यता प्रदान करने की संसूचना देता हूँ। उपरोक्त स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों को पूरा किए जाने के अध्याधीन है –

1 मान्यता की मंजूरी विस्तारणीय नहीं है और उसमें किसी भी रूप में कक्षा 8 के पश्चात्‌ मान्यता / संबधन के लिए कोई बाध्यता विवक्षित नहीं है।

2 विधालय नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (उपाबन्ध 1) और नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम 2010 (उपाबन्ध 2) के उपबन्धों का पालन करेगा।

3 विधालय कक्षा 1 मे उस कक्षा के बालको की संख्या के 25 प्रतिशत तक आस–पड़ौस के कमजोर वर्गो और अलाभग्रस्त समूह के बालको को प्रवेश प्रदान करेगा और उन्हे नि:शुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा उसके पूरा हो जाने तक उपलब्ध करायेगा।

4 पैरा 3 मे निर्दिष्ट बालको के लिए विधालय को अधिनियम की धारा 12(2) के उपबन्धो के अनुसार प्रतिपूरित किया जायेगा। ऐसी प्रतिपूर्तियों प्राप्त करने के लिए विधालय एक पृथक बैंक खाता रखेगा।

5 सोसायटी / विधालय किसी कैपिटेशन शुल्क का संग्रहण नहीं करेगा और किसी बालक या उसके माता पिता या संरक्षक को किसी स्कीनिंग प्रकिया के अध्यधीन नहीं करेगा।

6 विधालय किसी बालक को, उसकी आयु का प्रमाण न होने के कारण प्रवेश देने से इंकार नहीं करेगा। यदि ऐसा प्रवेश जन्म स्थान, धर्म, जाति या प्रजाति या इनमें किसी एक उपलब्ध / निर्धारित आधार पर उत्तरवर्ती चाहा गया है।

7 विधालय सुनिश्चित करेगा कि –

(i) प्रवेश दिये गए किसी भी बालक को, विधालय में उसकी प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक किसी कक्षा में अनुत्तीण नही किया जायेगा या उसे विधालय से निष्कासित नही किया जायेगा।

(ii) किसी भी बालको शारीरिक दण्ड या मानसिक उत्पीडन के अध्यधीन नही किया जायेगा।

(iii) प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बालक से कोई बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करने की अपेक्षा नही की जायेगी।

(iv) प्राथमिक शिक्षा पूरी करने वाले प्रत्येक बालक को नियम–23 के अधीन अधिकथित किए अनुसार एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

(v) अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार निशक्तता ग्रस्त / विशेष आवश्यकता वाले विधार्थियों का समावेश किया जाना।

(vi) अध्यापको की भर्ती अधिनियम की धारा 23(1) के अधीन यथा अधिकथित न्यूनतम अर्हताओं के साथ की जाती है परन्तु और यह कि विद्यमान अध्यापक जिनके पास इस अधिनियम के प्रारम्भ पर न्यूनतम अर्हताएं नही है, पांच वर्ष की अवधि के भीतर एसी न्यूनतम अर्हताए अर्जित करेगे।

(vii) अध्यापक अधिनियम की धारा 24(1) के अधीन विनिर्दिष्ट अपने कर्त्तव्यो का पालन करता है ।

(viii) अध्यापक स्वय को किसी निजी अध्यापन किया कलापों में नियोजित नही करेगे।